RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

सेवा की यदि चाह हो, पैदा करें सपूत।
गलती है मां-बाप की, पैदा किया कपूत।
पैदा किया कपूत, तभी है हालत ऐसी।
अपना ही कर रहा, आपकी ऐसी-तैसी।
कह साहिल कविराय, मिलेगा कैसे मेवा।
क्या खुद पहले करी, बाप-मां की यूं सेवा।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 156 | MONDAY DATE 29-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । पर्यावरण कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने रविवार को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने यह जानकारी दी। श्री दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी संदेश में कहा, 'सोनम वांगचुक ने विद्यार्थियों के लिए इंसाफ लेने तथा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए भूख हड़ताल शुरू कर दी है।' इससे पहले श्री वांगचुक राजघाट गये थे। यहां सीजेपी के संस्थापक श्री दिपके और सौरव दास उनके साथ मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि श्री दिपके ने रविवार सुबह 11 बजे लोगों से जंतर-मंतर आने की अपील की थी।

तेजस्वी यादव के आवास में शिफ्ट होंगे लालू-राबड़ी

पटना, यूटर्न/ 28 जून । बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सरकारी आवास में शिफ्ट होंगे। राबड़ी देवी को आवंटित 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने की अंतिम तिथि सोमवार, 29 जून निर्धारित की गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार की ओर से राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड स्थित नया आवास आवंटित किया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि वहां निर्माण और मरम्मत का कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार नए आवास का लगभग 70 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। ऐसी स्थिति में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी फिलहाल अपने पुत्र और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में रहेंगे। पूरा परिवार कुछ समय तक इसी आवास में रहेगा।

पुणे मर्डर केस में घटनास्थल पर सीन रीक्रिएट, पुलिस ने की गहन जांच

पुणे, यूटर्न/ 28 जून । चर्चित पुणे मर्डर केस की जांच में पुलिस ने रविवार को महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोहगढ़ किले पर घटनास्थल का सीन रीक्रिएट किया। पुलिस टीम सुबह केतन मडर केस की आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को किले पर लेकर पहुंची, जहां लगभग ढाई घंटे तक जांच प्रक्रिया चली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, केतन के समान वजन की एक डमी तैयार की गई थी, जिसके माध्यम से घटना को दोहराकर यह समझने का प्रयास किया गया कि कथित वारदात किस प्रकार अंजाम दी गई। डीएसपी गजानन टोंपे ने बताया कि आरोपी सिया गोयल के बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सिया और चेतन ने कथित तौर पर गूगल पर लोहगढ़ किले के खतरनाक स्थानों और गहरी खाइयों से संबंधित जानकारी खोजी थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने इंटरनेट पर ऐसे सवाल भी सर्च किए, जिनमें पुलिस जांच से बचने, सबूत मिटाने और पूछताछ के दौरान जवाब देने से जुड़ी जानकारियां शामिल थीं। साथ ही, व्हाट्सएप संदेशों को हटाने संबंधी गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली में ई-ऑफिस के एक साल, बढ़ी पारदर्शिता : रेखा गुप्ता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1 जुलाई को दिल्ली सरकार में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू होने का एक वर्ष पूरा हो जाएगा। अब सरकार की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पहले अधिकांश काम कागजी फाइलों के माध्यम से होता था, जबकि अब फाइलों का संचालन, पत्राचार और अनुमोदन ऑनलाइन होने लगा है। इससे फाइलों के निस्तारण में तेजी आई है। कामकाज अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना है और लोगों को सरकारी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराने में मदद मिली है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था के माध्यम से अब यह आसानी से पता चल जाता है कि कोई फाइल किस अधिकारी के पास लंबित है और उस पर क्या कार्रवाई हुई है। इससे रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है, अनावश्यक देरी कम होती है और विभागों के बीच कामकाज पहले की तुलना में अधिक सुचारू ढंग से होता है।

यही कारण है कि दिल्ली सरकार लगातार अधिक से अधिक विभागों और संस्थानों को इस व्यवस्था से जोड़ रही है।

उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2025 तक दिल्ली सरकार के 198 विभागों और कार्यालयों के 5,005 अधिकारी और कर्मचारी ई-ऑफिस के माध्यम से सरकारी फाइलों और कार्यालयी कामकाज का ऑनलाइन निस्तारण कर रहे थे। 27 जून 2026 तक यह संख्या बढ़कर 235 विभाग और कार्यालयों के 15,748 अधिकारी और कर्मचारी तक हो गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी विभागों और संस्थानों की कार्यप्रणाली एक जैसी नहीं होती। इसी कारण दिल्ली सरकार ने ई-ऑफिस व्यवस्था को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विकसित किया है। पहली श्रेणी पूर्ण रूप से सरकारी विभागों के लिए, दूसरी सार्वजनिक उपक्रमों, बोर्डों, निगमों, आयोगों, समितियों, स्वायत्त व स्थानीय निकायों के लिए तथा तीसरी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए बनाई गई है। इससे प्रत्येक श्रेणी की आवश्यकताओं के अनुरूप कामकाज अधिक प्रभावी ढंग से हो रहा है। इसी के मद्देनजर 1 जुलाई 2025 से दिल्ली सरकार के सभी सरकारी विभागों में ई-ऑफिस का उपयोग अनिवार्य किया गया था। वर्तमान में 132 शुद्ध सरकारी विभाग इस व्यवस्था से जुड़ चुके हैं, जहां 11,940 सक्रिय उपयोगकर्ता कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 1 जुलाई 2025 से 12 अप्रैल 2026 के बीच सरकारी विभागों में 1,14,603 ई-फाइलों और 7,14,091 ई-रसीदों का निस्तारण किया गया। वहीं, नई ई-ऑफिस व्यवस्था शुरू होने के बाद 13 अप्रैल 2026 से 27 जून 2026 के बीच ही लगभग 23,767 ई-फाइलों और 1.53 लाख ई-रसीदों का निस्तारण किया गया, जिससे स्पष्ट है कि विभागों में इस व्यवस्था का उपयोग तेजी से बढ़ा है।

पहले की तुलना में अब अधिक युवा खेलों को करियर के रूप में अपना रहे : मोदी

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहले की तुलना में अब कहीं अधिक युवा खेलों को करियर के रूप में अपना रहे हैं।

श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 135वीं कड़ी में रविवार को कहा, 'मैं अक्सर कहता हूँ, जो खेलता है, वो खिलता है। आज देश में ऐसे युवाओं की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जो खेल भी रहे हैं और खिल भी रहे हैं। पहले की तुलना में अब कहीं अधिक युवा खेलों को करियर के रूप में अपना रहे हैं। मुझे नागालैंड के दो ऐसे प्रयासों के बारे में जानकारी मिली है, जो बहुत दिलचस्प हैं। पहला प्रयास है 'नागालैंड बेबी लीग'. नाम सुनकर आपको जरूर लगता होगा ये बहुत छोटे बच्चों की कोई साधारण लीग होगी लेकिन ऐसा नहीं है। ये पांच से 10-12 साल की आयु के छोटे-छोटे बच्चे, फूल जैसे बच्चों की एक असाधारण लीग है और इन बच्चों के फुटबाल खिलाड़ियों की एक ऐसी लीग है, जो उनकी रफ्तार को और प्रतिभा के लिए उनको प्रेरित भी करती है और उनकी पहचान भी बनाती है। इसकी शुरूआत नागालैंड के अधिक-से-अधिक बच्चों को फुटबाल से जोड़ने के लिए हुई थी। पांच से बारह वर्ष तक के लड़के और लड़कियां इसमें हिस्सा ले सकते हैं। ये लीग अब अपने तीन वर्ष पूरे कर चुकी है।

जेपी नड्डा 'एनीमिया मुक्त भारत अभियान' के लिए ऑपरेशनल गाइडलाइंस जारी करेंगे

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारत में एनीमिया से निपटने की कोशिशों को तेज करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। इस क्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा 29 जून को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाली केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण परिषद की 16वीं बैठक के दौरान 'एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) अभियान इ ऑपरेशनल गाइडलाइंस' जारी करेंगे। यह लॉन्च एनीमिया के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक अहम पड़ाव होगा, क्योंकि यह कार्यक्रम 'एनीमिया मुक्त भारत' से 'एनीमिया मुक्त भारत अभियान' में बदल रहा है। यह बदलाव इसे और ज्यादा व्यापक, लोगों पर केंद्रित और टेक्नोलॉजी-आधारित पहल बनाता है। यह लॉन्च कार्यक्रम के इस बदलाव को औपचारिक रूप भी देगा और इसके एक ऐसे समग्र दृष्टिकोण में विकसित होने को दिखाएगा जो सिर्फ आयरन सप्लीमेंटेशन से आगे बढ़कर टेस्टिंग, इलाज, सही खान-पान, डिजिटल ट्रैकिंग और 'जन चेतना' के जरिए सामुदायिक भागीदारी को भी शामिल करता है। ये गाइडलाइंस मौजूदा 6-6-6 रणनीति को 7-7-7 फ्रेवर्क में बदल देंगी, जिसमें सातवां लाभार्थी समूह, सातवां इंटरवेंशन और सातवां संस्थागत तंत्र शामिल होगा। जीवन की शुरूआती अवस्था से ही एनीमिया की समस्या से निपटने के महत्व को समझते हुए, कम वजन (एलबीडब्ल्यू) वाले बच्चों (0-6 महीने) को सातवें लाभार्थी समूह के तौर पर शामिल किया जाएगा।

हाथरस में योगी का अखिलेश पर वार, कहा- 'एक बार रामलला के दर्शन कर लीजिए, सद्बुद्धि आ जाएगी'

» **हाथरस, यूटर्न/ 28 जून ।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में 548 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने संबंधी अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनकी सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलीं, उन्हें अयोध्या के विकास की चिंता करने का नैतिक अधिकार नहीं है। सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अयोध्या को किसी से पहचान लेने की जरूरत नहीं है। आप इसकी चिंता मत करिए, पश्चाताप करिए और एक बार रामलला के दर्शन कर लीजिए, सद्बुद्धि आ जाएगी। अगर सचमुच आप खुद को धार्मिक साबित करना चाहते हैं तो मथुरा-वृंदावन, श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर भी खुलकर बोलिए, राम जन्मभूमि की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का अभियान चलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मोहर्रम जुलूसों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब प्रदेश में कानून के दायरे में सभी पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और किसी गरीब का घर या छज्जा हटाकर ताजिए नहीं निकाले जाएंगे।

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगामुक्त, माफिया मुक्त और विकास की नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश दंगों, कर्फ्यू और अराजकता के लिए बदनाम था जबकि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है।

मन की बात हर बार नई जानकारी, नया उत्साह और नई प्रेरणा लेकर आता है : नितिन नवीन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड का देशभर में प्रसारण हुआ। इस अवसर पर दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यक्रम को सुना और इसे देशवासियों तक पहुंचने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशभर में हो रही सकारात्मक पहलों को एक मंच प्रदान करता है। भाजपा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस बार प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन' अभियान के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया है। इसे जलवायु संरक्षण और जल संकट से निपटने की दिशा में बेहद अहम पहल बताया। 'मन की बात' हर बार नई जानकारी, नया उत्साह और नई प्रेरणा लेकर आता है, जिससे भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के लोग भी नागरिकों के स्वैच्छिक प्रयासों से परिचित होते हैं। उनके अनुसार, ये पहल समाज को प्रेरित करने का कार्य करती हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने खेलों के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री की सोच की सराहना करते हुए कहा कि 'खेलो इंडिया' अभियान को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका परिणाम है कि आज देश के युवा बड़ी संख्या में खेलों में हिस्सा ले रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत रहे हैं और भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी 'मन की बात' की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम देश के हर नागरिक को प्रेरित करता है और उनमें आत्मविश्वास जगाता है।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग खरीद घोटाला: पूर्व डीजीएचएस वत्सला अग्रवाल और डीसीए नीरज चोपड़ा गिरफ्तार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।

दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने दवाइयों, सर्जिकल उपभोग्य सामग्रियों और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितताओं के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्व महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल और केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) में तत्कालीन डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स (डीसीए) नीरज चोपड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी के अनुसार, यह कार्रवाई उस एफआईआर के तहत की गई है, जिसमें सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में हेरफेर कर चुनिंदा कंपनियों को लाभ पहुंचाने और सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं।

मामले की शुरूआत दिल्ली सरकार के विजिलेंस निदेशालय से प्राप्त शिकायत के आधार पर हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत कार्यरत केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) ने दवाइयों, सर्जिकल सामान, अन्य उपभोग्य वस्तुओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं।

जांच एजेंसी के अनुसार, कुछ सरकारी अधिकारियों ने निजी व्यक्तियों के साथ मिलकर खरीद प्रक्रिया, निविदा शर्तों और तकनीकी मानकों में हेरफेर कर चुनिंदा आपूर्तिकताओं को अनुचित लाभ पहुंचाया। इससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ और निजी कंपनियों को आर्थिक फायदा मिला।

जांच में पोर्टेबल एक्स-रे मशीन, बेडशीट और लिनेन सामग्री, सी-आर्म रेडियोलॉजिकल उपकरण, एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन, ओआरएस, सर्जिकल उपभोग्य सामग्री, दवाइयों और अन्य चिकित्सा वस्तुओं की खरीद को जांच के दायरे में लिया गया है। आरोप है कि इन वस्तुओं की खरीद बढ़ी हुई कीमतों पर की गई और निविदा शर्तें इस तरह तैयार की गईं कि केवल चुनिंदा कंपनियां ही पात्र बन सकें। इससे वास्तविक प्रतिस्पर्धियों को प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया और सरकारी धन का कथित रूप से दुरुपयोग हुआ। एसीबी ने 2 जून 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान केंद्रीय खरीद एजेंसी के तत्कालीन हेड ऑफ ऑफिस डॉ. विनोद कुमार रंगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अनुमति प्राप्त की गई थी। उन्हें 18 जून को गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल, दबखेड़ी में विज्ञान पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 28 जून । श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के अंतर्गत संचालित महाराजा अग्रसेन सीनियर पब्लिक स्कूल,दबखेड़ी में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं शिक्षण गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विज्ञान विषय पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (क्षमता निर्माण कार्यक्रम) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विज्ञान विषय के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, नवाचार आधारित शिक्षण तकनीकों तथा विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के प्रभावी तरीकों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन अनुभवी विशेषज्ञ मंजू सहगल एवं साक्षी सिक्का द्वारा किया गया। उन्होंने विज्ञान शिक्षण को अधिक रोचक, प्रयोगात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों, उदाहरणों और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। साथ ही उन्होंने नई शिक्षा नीति के अनुरूप प्रभावी शिक्षण, मूल्यांकन एवं नवाचार पर भी महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की ओर से प्रियंका सिंगला ने दोनों विशेषज्ञों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करते हैं, जिसका सीधा लाभ विद्यार्थियों को मिलता है।

उन्होंने दोनों प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के नीरज रानी, रेनू, कल्पना, रचना, अरुण, मुकेश सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

बापोली में कुश्ती इनामी दंगल प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन

अक्षय पहलवान ने प्रतिद्वंद्वी विकास बदरखा को हराकर 5100 का इनाम जीता

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यु-टर्न 28 जून। गांव बापौली में जलालपुर रोड पर इनामी दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दंगल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि समाज सेवी अंकुश रावल और मयंक रावल रहे । दंगल में पहला इनाम अक्षय पहलवान बहरामपुर ने विकास पहलवान बदरका उत्तर प्रदेश को हराया 5100 का इनाम जीता, आकाश पहलवान बदरका और फरीद पहलवान कोहंड की कुश्ती बराबर पर रही । अमित पहलवान जलमाना ने कैराना के पहलवान को चित करके 2100/- रुपए इनाम जीता। दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों को संबोधित करते हुए अंकुश रावल ने कहा कि कुश्ती हमारा सबसे पुराना खेल है । खेलों के माध्यम से सरकार अनेकों नौकरियां युवाओं को दे रही है पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी ध्यान देना चाहिए । इस अवसर पर ओमपाल रावल रेफरी, संजय रावल बापौली, मनोज मलिक, हंसराज रावल, मुकेश पहलवान, दिन्ना रावल, रामपाल, मांगेराम, वीरू कश्यप, प्रवेश पहलवान, श्यामलाल जलमाना ,मुकेश सैनी सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे ।

दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति समेत सात पर प्राथमिकी

कौशांबी, यूटर्न/ 28 जून। वैशाली सेक्टर-2 स्थित कामना अपार्टमेंट निवासी रीना नेगी की शिकायत पर पुलिस ने उनके पति, सास और ससुर और चार अज्ञात के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी पति अमित रावत फरीदाबाद की डबुआ कॉलोनी का निवासी है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी शादी 30 जनवरी 2022 को अमित रावत से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल पक्ष ने दहेज कम लाने का ताना देते हुए दो लाख रुपये नकद और एक कार की मांग शुरू कर दी। आरोप लगाया कि मांग पूरी न होने पर उनके साथ मारपीट की गई और गला दबाकर हत्या का प्रयास भी किया गया। आरोप लगाया कि इसके बाद आरोपियों ने उन्हें घर से निकाल दिया। रीना नेगी का आरोप है कि मार्च 2026 में उनके ससुराली चार अज्ञात लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। पुलिस ने 26 जून की रात मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सभी आरोपियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अमृतसर में केजरीवाल के सीता मंदिर बनाने के ऐलान की एनडीए के नेताओं ने की आलोचना

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून।

एनडीए के नेताओं ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। केजरीवाल ने अमृतसर में माता सीता और लव-कुश को समर्पित एक भव्य मंदिर बनाने की घोषणा की है, जिस पर एनडीए नेताओं ने केजरीवाल पर पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले ह्लचुनावी राजनीतिह्व करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने शनिवार को पंजाब में कई धार्मिक और सांस्कृतिक पहलों का ऐलान किया, जिसमें अमृतसर में मंदिर बनवाना भी शामिल है। उन्होंने यह घोषणा 'एक शाम भगवान शिव के नाम' कार्यक्रम के दौरान की, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे।

आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, ह्लजब अरविंद केजरीवाल मुश्किल में फंसते हैं, तो उन्हें अचानक भगवान, माता सीता और बाकी सब याद आते हैं। जब सत्ता में थे, तब उन्हें राम मंदिर पसंद नहीं था। अब वे चाहे किसी को भी याद करें, अरविंद केजरीवाल की स्थिति पहले ही उल्टी दिशा में जा रही है। वे दिल्ली में पहले ही हार चुके हैं और जल्द ही पंजाब में भी हार जाएंगे ह्व हालांकि, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने केजरीवाल के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ह्लजो लोग कल तक राम मंदिर पर सवाल उठा रहे थे, वे अब मंदिर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं ह्व

650 करोड़ के घोटाले में बड़ी कार्रवाई

पूर्व DGHS समेत दो लोग गिरफ्तार, सरकार ने सात कर्मियों को किया निलंबित

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल को गिरफ्तार किया है।

नीरज चोपड़ा को भी एसीबी ने किया गिरफ्तार

एसीबी ने इस मामले में डिप्टी कंट्रोलर अकाउंट्स नीरज चोपड़ा को भी गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का मानना है कि दोनों की भूमिका कथित वित्तीय अनियमितताओं में महत्वपूर्ण हो सकती है।एसीबी इससे पहले सीपीए के पूर्व प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा को गिरफ्तार कर चुकी है। बाद में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

सरकार ने 7 कर्मियों को किया निलंबित

उधर, दिल्ली सरकार ने केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) के विभिन्न स्टोर्स में जांच के अनियमितताएं मिलने पर पांच फार्मासिस्टों और दो अधिकारियों को तत्काल से प्रभाव निलंबित कर दिया है। सरकार का कहना है कि दवाओं की खरीद, भंडारण और प्रबंधन में लापरवाही सामने आने पर यह कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए इन कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। हालांकि अभी तक इनके नाम सामने नहीं आए हैं।

मामले की जांच जारी है और दोषी पाए जाने वाले अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकारी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी।

यह मामला केंद्रीय प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से दिल्ली सरकार के अस्पतालों के लिए सर्जिकल सामग्री, चिकित्सा उपकरणों और अन्य स्वास्थ्य सामग्री की खरीद में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर, बाजार दर से अधिक कीमतों पर खरीद, वास्तविक आवश्यकता के बिना सामान की खरीद, नियमों की अनदेखी तथा कुछ सप्लायर्स को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों की पड़ताल की जा रही है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और खरीद प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों समेत कई लोगों को पूछताछ कर रही है। सामने आ रहे तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जल्द कार्रवाई हो सकती है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में कार्यरत सतीश कुमार को राज्य पुरस्कार से किया सम्मानित

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 28 जून । नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनजागरूकता गतिविधियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय हिसार में कार्यरत सतीश कुमार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण बेदी द्वारा राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। श्री सतीश कुमार ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ी गतिविधियों, जागरूकता कार्यक्रमों और सरकारी संदेशों का सोशल मीडिया एवं विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। उनके प्रयासों से अभियान का संदेश बड़ी संख्या में युवाओं और आमजन तक पहुंचा तथा लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। राज्य पुरस्कार प्राप्त करने पर सतीश कुमार ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कश्यप राजपूत भवन के 46वें स्थापना दिवस पर 230 मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

» परमिंदर सिंह

यू टर्न कुरुक्षेत्र। कश्यप राजपूत भवन, कुरुक्षेत्र के 46वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में समाज के प्रदेश से 230 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह में विधायक रामकुमार कश्यप, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा तथा चेयरमैन सुभाष कलसाना भी विशेष रूप से मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने समाज की एकता, शिक्षा और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित और संस्कारित युवा होते हैं। जो समाज अपनी नई पीढ़ी की शिक्षा पर ध्यान देता है, वही भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक संगठनों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कश्यप राजपूत भवन द्वारा शिक्षा और सामाजिक एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भवन के विकास एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए 21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।और जो मांगे समाज के द्वारा रखी गई है उनको भी पूरा करने का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कश्यप राजपूत सभा 25 के प्रधान राजबीर कश्यप ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कश्यप राजपूत भवन पिछले 46 वर्षों से समाज को एकजुट करने, सामाजिक समरसता बढ़ाने और प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की सबसे बड़ी पूंजी उसके मेधावी विद्यार्थी हैं और उनका सम्मान करना पूरे समाज का सम्मान है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने और समाज के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह शिक्षा, संगठन और संस्कार को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित हुए छात्र-छात्राएं पूरे समाज के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने युवाओं से नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, रोजगार और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की। विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि समाज की एकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने माता-पिता, समाज और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह युवाओं में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा का संचार करते हैं। चेयरमैन सुभाष कलसाना ने कहा कि समाज के विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

राकेश धवन दिल्ली और धनेंद्र सिन्हा छत्तीसगढ़ के संयोजक घोषित

» हरियाणा, यूटर्न/ 28 जून ।

देश सेवा में समर्पित प्रमुख सामाजिक एवं धार्मिक संस्था अखिल भारतीय सेवा संघ के राष्ट्रीय सलाहकार एवं प्रचारक अनिल वोहरा ने बताया कि अखिल भारतीय सेवा संघ को गति देते हुए राकेश धवन को दिल्ली और धीरेंद्र सिन्हा को छत्तीसगढ़ का संयोजक घोषित किया है । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ इन्द्र गोयल के निर्देश पर इनकी नियुक्ति का पत्र जारी किया है तथा बैठक कर आवश्यक निर्देश व संगठन को नियमानुसार चलाने सम्बधी विषय पर चर्चा की । दिल्ली के संयोजक राकेस धवन ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है उसके लिए वो आभार प्रकट करते है तथा शीघ्र ही दिल्ली में एक मजबूत टीम का गठन किया जाएगा । धनेंद्र सिन्हा ने कहा कि पूरे छत्तीसगढ़ में संगठन की शाखायँ बनाई जाएंगी जिसकी शुरूवात शाखा महासुमन्द से कर दी है हमने लगभग 110 सदस्य जोड़ दिए है । शीघ्र ही पूरे प्रदेश में संगठन को बढायँगे । इस अवसर पर प्रांतीय महासचिव आकाश सैन, राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन,अध्यक्ष डॉ इन्द्र गोयल,अजय ग्रोवर,संजय अरोड़ा,सचिन गुप्ता आदि उपस्थित रहे ।

अनशनरत अभ्यर्थियों की बिगड़ती सेहत पर कांग्रेस चिंतित, खोवाल की सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

» हरियाणा, यूटर्न/ 28 जून ।

हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की पीजीटी भर्ती (विज्ञापन संख्या 18 से 37/2024) के चयनित एवं प्रभावित अभ्यर्थियों का मुद्दा अब गरमा गया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लीगल डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल, स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल व एडवोकेट हिमांशु आर्य खोवाल टीम के साथ पंचकूला के सेक्टर 5 स्थित धरना-स्थल पर पहुंचे और अभ्यर्थियों की मांगों को पूर्णतः न्यायोचित बताते हुए अपना समर्थन दिया।धरना स्थल पर लगभग 30 से अधिक अभ्यर्थी अपनी लंबित मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निर्धारित नियमों और शर्तों का पूरी तरह पालन किया है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व की भर्तियों में साक्षात्कार से पूर्व अपडेट किए गए बीसीए/बीसीबी प्रमाण-पत्र स्वीकार किए गए हैं तो वर्तमान भर्ती में भी वही व्यवस्था लागू होनी चाहिए। एक ही विभाग द्वारा समान परिस्थितियों में अलग-अलग मानदंड अपनाना प्राकृतिक न्याय तथा समानता के सिद्धांतों के सीधे खिलाफ है। इन धरनारत अभ्यर्थियों के आंदोलन से बीजेपी सरकार डरी हुई है और इनकी आवाज दबाने के लिए किसी भी ओछे हथकंडे पर उतर सकती है। धरना स्थल पर हालात की गंभीरता को रेखांकित करते हुए एडवोकेट खोवाल और एडवोकेट इंदल ने कहा कि आमरण अनशन पर बैठे अभ्यर्थी पल्लवी जांगड़ा, सुमन प्रजापति, रमणदीप कंबोज एवं सुरेंद्र कुमार पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और इनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने सरकार और संबंधित अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों का सहारा लिया लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है।

देश और दुनिया 80 फीसदी बहुमत मेहनतकश जनता के लिए लूट और शोषणकारी व्यवस्था पर टिका

अमेरिकी साम्राज्यवाद सबसे बड़ा खतरा--कामरेड प्रेमचंद राज्य सचिव

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यु-टर्न 28 जून। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला कार्यालय, शहीद भगत सिंह के क्रांतिकारी साथी कामरेड शिव वर्मा स्मारक भवन गीता कॉलोनी पानीपत में साम्राज्यवाद विरोध-समाजवादी देश क्यूबा की एकजुटता के विषय को लेकर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता पार्टी जिला सचिव डॉ सुरेंद्र मलिक व संचालन सुनील दत्त पार्टी राज्य कमेटी सदस्य ने किया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश और दुनिया के सामने सबसे बड़ा खतरा अमेरिकी साम्राज्यवाद है जो पूरी दुनिया को आर्थिक गुलाम बनाने के लिए देश के ऊर्जा के संसाधनों जिसमें तेल गैस पेट्रोल डीजल-कृषि में उद्योग क्षेत्र के अंदर अपनी मनोपली बनाने के लिए दुनिया को विनाशकारी तीसरे विश्व युद्ध की तरफ ले जा रहा है। जिसका स्पष्ट उदाहरण 4 साल से ज्यादा समय से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा है युद्ध, ईरान-फिलिस्तीनी -लेबनान पर अमेरिकी और इजरायली हमले जारी है जिसमें हजारों की संख्या में महिला पुरुष बच्चे मारे जा चुके हैं भारी जान माल का नुकसान हो रहा है। अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ पूरी दुनिया के विकासशील गरीब देश के अंदर भारी गुस्सा है। देश और दुनिया का मेहनतकश तब का साम्राज्यवाद की विनाशकारी नीतियों के खिलाफ बड़े-बड़े आंदोलन लड़े जा रहे हैं। हमारे देश के अंदर भी सत्ता पर बैठी भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार का चरित्र और उसकी विदेश नीति पूरी तरह से अमेरिकी साम्राज्यवाद परास्त हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री निलयाहूं के सामने घुटने देखते हुए देश की अर्थव्यवस्था को चौपट किया जा रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ कृषि क्षेत्र को लेकर किए जाने वाला समझौता बहुत ही खतरनाक देश के किसान और मजदूरों को बर्बाद करने वाला समझौता है इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने की जरूरत है।

कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के 46वें स्थापना दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में पहुंचे हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा

प्रदेश के 230 मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित,21 लाख रुपए की की घोषणा

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 28 जून । कश्यप राजपूत भवन, कुरुक्षेत्र के 46वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में समाज के प्रदेश से 230 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समारोह में विधायक रामकुमार कश्यप, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा तथा चेयरमैन सुभाष कलसाना भी विशेष रूप से मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने समाज की एकता, शिक्षा और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके शिक्षित और संस्कारित युवा होते हैं। जो समाज अपनी नई पीढ़ी की शिक्षा पर ध्यान देता है, वही भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक संगठनों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कश्यप राजपूत भवन द्वारा शिक्षा और सामाजिक एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए भवन के विकास एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए 21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।और जो मांगे समाज के द्वारा रखी गई है उनको भी पूरा करने का आश्वासन दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कश्यप राजपूत सभा 25 के प्रधान राजबीर कश्यप ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि कश्यप राजपूत भवन पिछले 46 वर्षों से समाज को एकजुट करने, सामाजिक समरसता बढ़ाने और प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य कर रहा है।

केजरीवाल से मान तकः आप का पंजाब पर फोकस, अब दिल्ली-केंद्रित से पंजाब-केंद्रित हुआ

संदीप शर्मा

पंजाब की राजनीति में आने के बाद पहली बार, आम आदमी पार्टी (आप) ने एक ऐसी सच्चाई को स्वीकार किया है जो भले ही असहज हो, लेकिन उसे नकारा नहीं जा सकता: पंजाब को दिल्ली से न तो चलाया जा सकता है और न ही वहां चुनाव जीता जा सकता है। 2027 के कैंपेन के केंद्र में मुख्यमंत्री भगवंत मान को रखने का पार्टी का फैसला, उस केजरीवाल-केंद्रित और दिल्ली-संचालित मॉडल से एक बड़ा बदलाव है, जिसने 2022 में आप को शानदार जीत दिलाई थी। जो कैंपेन कभी अरविंद केजरीवाल के करिश्मे पर आधारित था, उसे अब मान की स्थानीय लोकप्रियता के आधार पर तैयार किया जा रहा है। यह पंजाब में आप के दिल्ली-केंद्रित संगठन से पूरी तरह मान-केंद्रित संगठन में बदलने का संकेत है। यह बदलाव सिर्फ.रणनीति तक सीमित नहीं है। यह राजनीतिक सच्चाई को स्वीकार करना भी है। जब 2022 में आप ने पंजाब में ऐतिहासिक जनादेश के साथ जीत हासिल की थी, तो कैंपेन का ज्यादातर हिस्सा अरविंद केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही घूम रहा था। पार्टी ने खुद को शासन के 'दिल्ली मॉडल' के विस्तार के तौर पर पेश किया था। केजरीवाल की रैलियों में भारी भीड़ उमड़ती थी और कैंपेन के प्रचार-सामग्री में उनकी ही छवि छाई रहती थी। भले ही भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया था, लेकिन चुनाव को मुख्य रूप से केजरीवाल और पंजाब में दिल्ली जैसी शासन-सफलता दोहराने के उनके वादे पर वोट माना गया था। चार साल बाद, हालात बहुत बदल गए हैं। आप के पास अब वह अजेय होने का रुतबा नहीं रहा जो कभी हुआ करता था। पंजाब के बाहर, खासकर दिल्ली में चुनावी हार ने पार्टी के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। आज आप के लिए पंजाब सिर्फ.एक और राज्य नहीं है; यह उसका मुख्य गढ़ है और शायद एक राष्ट्रीय राजनीतिक विकल्प होने के उसके दावों की सबसे बड़ी परीक्षा भी है। 2027 में पंजाब हारना सिर्फ.सरकार गंवाने से कहीं ज्यादा नुकसानदेह होगा। यह दिल्ली से बाहर एक मजबूत राजनीतिक ताकत के तौर पर आप की पहचान पर ही चोट करेगा। ऐसे हालात में, भगवंत मान पर दांव लगाना तर्कसंगत और जरूरी दोनों है।

कई क्षेत्रीय नेताओं के विपरीत, जिनकी लोकप्रियता पूरी तरह से उनकी पार्टी के आलाकमान पर निर्भर होती है, मान ने अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाई है। आम पंजाबियों के साथ उनका आसानी से जुड़ना, राज्य के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल से उनका गहरा जुड़ाव और आम लोगों की भाषा और अंदाज में बात करने की उनकी काबिलियत ने उन्हें पंजाब में आप की सबसे अहम राजनीतिक संपत्ति बना दिया है। इससे भी जरूरी बात यह है कि वे पार्टी के इकलौते ऐसे नेता हैं जिनकी पूरे राज्य में असली लोकप्रियता है। पंजाब की राजनीति में पारंपरिक रूप से उन नेताओं को पसंद किया गया है जिन्हें 'मिट्टी का बेटा' माना जाता है। चाहे प्रकाश सिंह बादल हों, कैप्टन अमरिंदर सिंह हों या बेअंत सिंह, वोटरों ने अक्सर ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी है जो पंजाब की सामाजिक हकीकत से गहराई से जुड़े रहे हैं। ऐसे राजनीतिक माहौल में दिल्ली-केंद्रित कमांड स्ट्रक्चर की सीमाएं तय थीं। मान को आगे लाकर, आप आखिरकार पंजाब के हिसाब से खुद को ढाल रही है, न कि पंजाब से आप के हिसाब से ढलने की उम्मीद कर रही है। हालांकि, पार्टी को मान-केंद्रित बनाने में कुछ जोखिम भी हैं। अब से, सरकार की सफलता और विफलता को मुख्य रूप से मुख्यमंत्री से जोड़कर देखा जाएगा। बेरोजगारी, खेती-किसानी की मुश्किलें, ड्रग्स की लगातार समस्या, औद्योगिक ठहराव और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दे 2027 से पहले जनता की राय तय करेंगे। विपक्ष हर कमी को मान के नेतृत्व पर जनमत संग्रह में बदलने की कोशिश करेगा। फिर भी, आप के पास कोई खास विकल्प नहीं है। पंजाब की राजनीति बहुत ज्यादा स्थानीय और व्यक्तित्व-आधारित है। पार्टी सिर्फ. केजरीवाल या दिल्ली मॉडल का ज़िक्र करके सत्ता में बने रहने की उम्मीद नहीं कर सकती। उसे वोटरों को यह यकीन दिलाना होगा कि उसकी पंजाब सरकार ने अच्छा काम किया है और भगवंत मान दूसरे कार्यकाल के हकदार हैं। केजरीवाल से ध्यान हटाकर मान पर लाने में, आप सिर्फ. चेहरे नहीं बदल रही है; यह राजनीतिक परिपक्वता का संकेत है। पार्टी को शायद यह एहसास हो गया है कि 2027 में पंजाब का जनादेश दिल्ली के ड्राइंग रूम में नहीं, बल्कि पंजाब के गांवों, कस्बों और शहरों में तय होगा। क्या यह एहसास सही समय पर हुआ है, यह सबसे अहम सवाल है।

ईरान कैसे बना महाशक्ति

युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीजल ईरानियों के लिये निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हजारों ईरानी अपने देश की रक्षा की गरज से स्वदेश वापस जरूर लौटे। युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नजर आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकीयान स्वयं बाजारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायजा लेते नजर आये ।

तनवीर जाफरी

अमेरिका, इजराइल द्वारा ईरान पर जून 2025 में 12 दिन का और उसके बाद 28 फरवरी 2026 को लगभग 40 दिन का युद्ध थोपा गया था। अचानक थोपे गये इस युद्ध में हालांकि ईरान को जान व माल का काफी नुकसान हुआ परन्तु ईरान ने भी परमाणु शक्ति संपन्न हुये बिना ही इन दोनों परमाणु शस्त्र संपन्न देशों को ऐसा करारा जवाब दिया कि आखिरकार स्वयं को विश्वविजेता कहलाने वाले अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने के रास्ते तलाशने पड़े। इतने कम समय के युद्ध में अमेरिका व इस्राईल को इतना नुक़्सान पहले कभी नहीं उठाना पड़ा। आज अमेरिका से लेकर इस्राईल तक की जनता यह स्वीकार कर रही है कि इस युद्ध में हर मोर्चे पर ईरान ही विजेता रहा है । क्योंकि ईरान अमेरिका द्वारा युद्धोपरांत हस्ताक्षर किये गये सहमति पत्र में स्वीकार की गयी अधिकांश बातें ईरान के हक में तथा ईरान को फायदा पहुँचाने वाली हैं।हालांकि अमेरिका द्वारा पुनः युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन कर ईरान पर कई बड़े हमले करने व ईरान द्वारा भी कुवैत व बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर कड़ी जवाबी कार्रवाई करने के समाचार हैं। ऐसे में सवाल यह है कि लगभग 50 वर्षों से वैश्विक प्रतिबंधों का भी सामना करने वाले इस देश ने अत्यंत सीमित संसाधनों के बावजूद अमेरिका व इजराइल जैसे शक्तिशाली,चालबाज व छल कपट में माहिर देशों का एक साथ मुकाबला कैसे किया?

इसमें कोई संदेह नहीं कि ईरानी लोग मुसलमानों के उस शिया वर्ग से सम्बन्ध रखते हैं जो हजरत अली,हजरत इमाम हुसैन व करबला की उस घटना से प्रेरणा लेते हैं जो असत्य,अन्याय व अत्याचार के आगे कभी सर न झुकाने की सीख देती है।इसके साथ साथ ईरान ने धरातल पर जो दूरगामी व सधी हुई रणनीति अपनाई उसी ने ईरान को न केवल अमेरिका व इस्राईल जैसे परमाणु शक्ति संपन्न देशों पर विजय दिलाई बल्कि ईरान को विश्व की महाशक्तियों की सूची में भी शामिल कर दिया। अमेरिका व इस्राईल की नाराजगी के भय से पूरे युद्ध के दौरान आधिकारिक रूप से किसी भी देश ने ईरान की सहायता नहीं की न ही ईरान ने खाने-पीने की चीजों व दवाईयों तक के लिये कोई अपील जारी की। युद्ध शुरू होते ही रोटी, पेट्रोल और डीजल ईरानियों के लिये निःशुल्क कर दिए गए ताकि उन्हें युद्ध के बोझ का एहसास न हो। अमेरिकी व इस्राईली भीषण बमबारी के बावजूद, एक भी ईरानी नागरिक ने पलायन नहीं किया हाँ विदेशों में रहने वाले हजारों ईरानी अपने देश की रक्षा की गरज से स्वदेश वापस जरूर लौटे।युद्ध के दौरान, कई प्रमुख मंत्री अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों में प्रदर्शनकारियों के साथ निडर होकर सारी सारी रात सड़कों पर नजर आये। हद तो यह है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकीयान स्वयं बाजारों में जाकर वस्तुओं के मूल्य व जनसुविधाओं का जायजा लेते नजर आये ।

सवाल यह है कि ईरान के लोगों व वहाँ के नेतृत्व में इतना दृढ़ विश्वास आया कहाँ से? तो आइये नजर डालते हैं कुछ उन छोटी छोटी सामान्य बातों पर जिसे भले ही दुनिया के अधिकांश देशों के लोग व वहाँ का नेतृत्व सम्मान या सम्पन्नता की नजरों से क्यों नदेखते हों परन्तु ईरान के लोगों ने इनसे दूर रहना ही राष्ट्रहित में समझा। मिसाल के तौर पर ईरान के सुप्रीम लीडर ने अपना निजी मकान तक नहीं खरीदा। ईरान के मंत्रियों और शीर्ष सैन्य अधिकारीयों व अन्य आला अफसरों के बच्चे विदेश में पढ़ाई करने नहीं जाते। ईरानी सरकार का कोई भी सदस्य और प्रशासनिक अधिकारी विदेशी बैंकों में पैसे जमा नहीं कर सकते। ईरान का कोई भी मंत्री,जनरल या उच्चाधिकारी देश के बाहर कोई दूसरा मकान नहीं बनाता। ईरान के सुप्रीम लीडर बिना दिखावे व प्रचार के रोजाना 18 घंटे काम करते हैं। वहां कोई भी अमेरिकन या यूरोपीय शिक्षण संस्थान नहीं हैं।ईरान में साक्षरता दर 97 प्रतिशत है क्योंकि शिक्षा मुफ़्त है।इसीलिये वहां के अधिकांश लोग डॉक्टर इंजीनियर,प्रोफेसर आदि हैं जिसका साक्षात नतीजा ईरान ने पिछले युद्ध के दौरान अपनी ड्रोन व मिसाईल क्षमता को साबित कर दुनिया को दिखा भी दिया।

तमाम प्रतिबंधों के बावजूद वहां जनता की जेब काटने जैसी कोई टैक्स व्यवस्था नहीं है। यदि परिस्थितिवश वहां मूलयवृद्धि होती भी है तो दूसरी तरफ सुप्रीम लीडर के बजट से लोगों को साथ साथ उतनी ही राहत भी दी जाती है। वहां महिलायें कम्युनिटी प्रोग्राम में हिस्सा लेती हैं। प्रसव निःशुल्क हैं, साथ ही बच्चे के जन्म पर मां के खाते में कम से कम 20,000 रू का उपहार भी भेजा जाता है। प्रत्येक इलाज का 70% सरकार देती है, जबकि 30%मरीजदेताहै।चोरी, डकैती,बेईमानी,बलात्कार जैसे अपराध बिल्कुल नहीं है। चंदा या दान चोरी की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। वहां रॉयल कल्चर या प्रोटोकॉल जैसी कोई चीज नहीं है।

हिंदुस्तान में अस्तित्व संकट के भयावह दौर से गुजर रहा है गौ वंश

डॉ .उमेश चन्द्र शर्मा

भगवान श्रीकृष्ण की प्रिय एवं सनातन धर्म में सर्वोच्च सम्मान प्राप्त गौदेवी आज अपने ही देश में उत्पीड़न का शिकार होकर अस्तित्व संकट के भयावह दौर से गुजर रही है। देश में गौरक्षा के निमित्त समय समय पर संत महात्माओं द्वारा किए गए आंदोलन, गौ संरक्षकों के विविध प्रयासों और सरकारी सहायताएं भी गौवंश के हितार्थ सार्थक भूमिका नहीं निभा पाए, बल्कि एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं। हिंदुस्तान में आज भी गौवंश भारी उत्पीड़न का शिकार है, और अपने अस्तित्व के संकट से गुजरते हुए जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा है, जबकि सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक कहे जाने वाले हिन्दू समाज के धमार्चार्य गौरक्षा और संरक्षण के विषय में केवल जुबानी बयानबाजी तक ही सीमित हैं।

भारत देश और उसके कई प्रदेशों में कहने को तो सनातनी सरकारें है, किंतु इन सरकारों के लंबे समय तक सत्ता में काबिज रहने के बावजूद भारत में गौवंश हत्या पर पूर्ण विराम नहीं लग पाया है। देश और प्रदेश में एक तरफ जहां गौ तस्करों ने अपना जाल फैला रखा है, वहीं दूसरी तरफ गौ वधिक शासन प्रशासन की नाक के नीचे बड़ी संख्या में गौवंश के माध्यम से अपने हित साधन क अत्यंत घृणित, वीभत्स, जघन्य और दुस्साहसी अपराध को अंजाम देने में लगे हुए हैं।

वैसे तो देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आए दिन गौ उत्पीड़न की घटनाएं सुनाई देती रही है, किंतु मध्य प्रदेश के जनजातीय बाहुल्य झाबुआ जिला में पिछले महीनो में घटित हुई सिलसिलेवार घटनाओं ने एक तरफ जहां मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है, वहीं प्रशासनिक लापरवाही और अक्षमता को भी उजागर किया है, साथ ही इस तथ्य को भी रेखांकित किया है कि गौरक्षा के सरकारी दावे निराधार है। एक तरफ जहां मध्य प्रदेश सहित भारतीय जनता पार्टी की सरकारों द्वारा गौ पालन को प्रोत्साहित करते हुए गौ पालकों और पंजीकृत गौ शालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, देश के अधिकांश राज्यों में गोवंश के वध पर पूर्ण प्रतिबंध है, वहीं दूसरी तरफ आज भी बड़ी संख्या में गौवंश, गौ वधिकों की भेंट चढ़ रहा है। मध्य प्रदेश सहित भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न सरकारों सरकारों द्वारा गोवंश के रक्षार्थ प्रभावी नियम लागू कर गौ संरक्षण और गौ संवर्धन के कार्यों को महत्व दिया जा रहा है, यह एक तथ्य है, फिर गौवंश अत्याचारियों का शिकार क्यों हो रहा है? और गौ हत्यारो के हौंसले इतने बुलंदी पर कैसे पहुंच गए कि उन्होंने मध्य प्रदेश के ही एक फारेस्ट बीट में अपना पूरा साम्राज्य खड़ा कर दिया तथा बेरौकटोक गायों के कत्ल किए जाने के अपने अत्यंत जघन्य और दुस्साहसी अपराध को अंजाम देते रहे, और समूचे फारेस्ट बीट क्षेत्र को ही जिंदा गायों का कत्लगाह बना दिया। गौ पूजकों की इस पावन भूमि पर गौ वंश हत्याओं का ऐसा कुत्सित षड्यंत्र आखिर कैसे चलता रहा है?

हिंदू सनातन धर्मावलंबियों के लिए सर्वोच्च आस्था की प्रतीक गौ दैवी हिंदुस्तान में किस तरह अस्तित्व संकट के दौर से गुजर रही है यह सब प्रदेश और देश में बार बार घटित होने वाली घटनाओं से उजागर होता है। मध्यप्रदेश के झाबुआ जिलांतर्गत थान्दला जनपद के ग्राम खजूरी मे कुछ समय पहले एक ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हुई एक गाय की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई।

गाय पर हुए इस हृदय विदारक घटनाक्रम में आरोपी व्यक्ति के ट्रैक्टर से टक्कर लगने के बाद गाय उस ट्रैक्टर के पीछे लगे कृषि उपकरण में फस गई, किंतु भयाक्रांत आरोपी द्वारा यह जानते हुए भी कि गाय उपकरण में फँस गई है, वह ट्रैक्टर को तेज गति से दौड़ाता रहा, परिणामस्वरूप गाय तड़प तड़प कर अंततः मौत का ग्रास बन गई, वहीं दूसरी तरफ झाबुआ जिले के ही मेघनगर जनपद क्षेत्र के नानजीसाथ में क्रूरता की सारी हदों को पार करते हुए गौ हत्यारों द्वारा शासकीय वन विभागीय बीट क्रमांक 75 के समूचे क्षेत्र को पिछले कुछ वर्षों से जिंदा गायों का कत्लगाह बना दिया गया, और गौवंश वध के इस क्रूरतम, जघन्य और भयावह कृत्य को निर्भय रुप से कारित किया जाता रहा।

सरकार ने मेडिकल डिवाइस बनाने के लाइसेंस के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने का दिया प्रस्ताव

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को चिकित्सा उपकरण नियम, 2017 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन से संबंधित निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए चिकित्सा उपकरणों की लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाना और उसमें तेजी लाना है।

मंत्रालय ने प्रस्तावित बदलावों पर लोगों की राय जानने के लिए सरकारी गजट में एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

मौजूदा ढांचे के तहत चिकित्सा उपकरणों को जोखिम के आधार पर चार श्रेणियों–क्लास ए, क्लास बी, क्लास सी और क्लास डी–में वगीर्कृत किया गया है। इनमें क्लास डी में सबसे अधिक जोखिम वाले चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इन नियमों में प्रत्येक श्रेणी के चिकित्सा उपकरणों के लाइसेंस बनाने के लिए प्राप्त आवेदनों के निपटारे के लिए वैधानिक समय-सीमा निर्धारित है।

प्रस्तावित संशोधनों में इन समय-सीमाओं को कम करने की बात कही गई है, ताकि गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन के स्थापित मानकों से समझौता किए बिना नियंत्रक स्वीकृतियां अधिक तेजी से प्रदान की जा सकें।

मंत्रालय ने मुताबिक, प्रस्तावित संशोधनों में क्लास बी चिकित्सा उपकरणों, जिनमें निम्न से मध्यम जोखिम वाले उपकरण जैसे ब्लड प्रेशर मॉनिटर, हाइपोडर्मिक सुइयां और पल्स ऑक्सीमीटर शामिल हैं, के लाइसेंस बनाने की समय-सीमा को 140 दिनों से घटाकर 115 दिन करने का प्रस्ताव किया गया है। इसी तरह, क्लास सी और क्लास डी के चिकित्सा उपकरणों, जिनमें उच्च जोखिम वाले उपकरण जैसे हृदय स्टेंट, कूल्हे और घुटने के प्रत्यारोपण तथा अन्य हड्डी रोगों से संबंधित प्रत्यारोपण शामिल हैं, के लाइसेंस बनाने की समय-सीमा को 105 दिनों से घटाकर 90 दिन करने का प्रस्ताव है।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक, प्रस्तावित मसौदे के संशोधनों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया के प्रत्येक चरण के लिए भी स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसमें आवेदनों की जांच, अधिसूचित निकायों द्वारा ऑडिट, अनुपालन का सत्यापन तथा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शामिल है।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लॉन्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी -कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा ऑप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इससे यूजर्स प्रो मॉडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शॉट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले मॉडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे। लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग ऑपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लॉन्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रॉयड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफॉर्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है।

दक्षिण-पूर्व एशिया में मंडराया खाद्य महंगाई का खतराः गोल्डमैन सैक्स

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की है। अपनी नई रिपोर्ट में बैंक ने कहा है कि आगामी समय में इस क्षेत्र में खाद्य महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके पीछे मौसम संबंधी जोखिम, बढ़ती ऊर्जा लागत और उर्वरकों की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार होंगे। इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम आसमान छू सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के त तक एक मजबूत अल-नीनो मौसम पैटर्न विकसित होने की प्रबल संभावना है। यह स्थिति बारिश के पैटर्न को गंभीर रूप से बिगाड़ सकती है, जिससे कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं भीषण सूखे की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम प्रतिकूल रहा, तो चावल, सब्जियों और अन्य प्रमुख खाद्यान्न फसलों का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा, जिससे बाजार में आपूर्ति घटने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें किसानों की उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि कर रही हैं।

त्रिपुरा स्टेट कोऑपरेटिव बैंक ने वित्त वर्ष 2025, 26 में दर्ज किया 78 करोड़ रुपए का मुनाफा

» **अगरतला, यूटर्न/ 28 जून ।**

सरकारी क्षेत्र के त्रिपुरा स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (टीएससीबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 78.08 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह लगातार सातवां साल है जब बैंक ने मुनाफा कमाया है। यह जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से रविवार को दी गई।

टीएससीबी के चेयरमैन नागधिराज दत्ता ने त्रिपुरा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बैंक के बढ़ते योगदान और इसकी लगातार हो रही वित्तीय वृद्धि के बारे में बताया।

दत्ता ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 166.08 करोड़ रुपए का परिचालन लाभ कमाया, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 103 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। यह लगातार सातवां साल है जब बैंक मुनाफे में रहा है और त्रिपुरा स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के इतिहास में यह अब तक का सबसे अधिक मुनाफा है।ह्व त्रिपुरा स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की स्थापना 21 जनवरी, 1957 को हुई थी और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र का सबसे पुराना कोऑपरेटिव बैंक है। इस बैंक को बॉम्बे कोऑपरेटिव सोसाइटीज एक्ट के तहत स्थापित किया गया था और तब से इसने राज्य में कोऑपरेटिव बैंकिंग और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है।

टीएससीबी के चेयरमैन ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैंक का कुल बिजनेस वॉल्यूम 6,950.92 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 289.11 करोड़ रुपए अधिक है। फिलहाल बैंक त्रिपुरा में 67 शाखाओं के नेटवर्क के जरिए काम करता है और 12 एटीएम के जरिए बैंकिंग सेवाएं देता है। इसके अतिरिक्त, शनिवार को हुई बैंक की एजीएम (एनुअल जनरल मीटिंग) में वित्त मंत्री प्रणजीत सिंघा रॉय ने कहा कि बैंक, केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग योजनाओं के तहत आर्थिक मदद देकर छोटे और सीमांत किसानों के साथ-साथ बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीएससीबी त्रिपुरा की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत और समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

बैंक के कामकाज पर रोशनी डालते हुए सिंघा रॉय ने बताया कि इसका क्रेडिट-डिपॉजिट (सीजी) रेश्यो 66 प्रतिशत है, जो राज्य के 55 प्रतिशत के औसत सीजी रेश्यो से काफी ज्यादा है। उन्होंने ग्राहक सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने और कर्ज देने की प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर जोर दिया, ताकि छोटे व्यापारियों, उद्यमियों और आम लोगों को आसानी से कर्ज मिल सके।

'दीक्षा' स्कूली शिक्षा के लिए 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' के तौर पर उभरा : केंद्र

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

केंद्र सरकार ने रविवार को कहा कि नॉलेज शेयरिंग प्लेटफॉर्म 'दीक्षा' स्कूली शिक्षा के लिए 'एक देश, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' बनकर उभरा है। यह कई भाषाओं में पाठ्यक्रम से जुड़े डिजिटल लर्निंग रिसोर्स उपलब्ध कराता है और पूरे भारत में छात्रों और शिक्षकों के लिए समावेशी और टेक्नोलॉजी आधारित सीखने को बढ़ावा देता है। दीक्षा को 2017 में शुरू किया गया था और इसे नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) द्वारा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (सीआईईटी) के सहयोग से चलाया जा रहा है। सरकार ने इस प्लेटफॉर्म को स्कूली शिक्षा के लिए देश का 'वन नेशन, वन डिजिटल प्लेटफॉर्म' बताया है, जिसका मकसद डिजिटल माध्यमों से पढ़ाई-लिखाई को जारी रखना है। सरकार के अनुसार, दीक्षा के-12 के लिए व्यापक डिजिटल लर्निंग सपोर्ट देता है, जिसमें बुनियादी साक्षरता और अंक-ज्ञान से लेकर सीनियर सेकेंडरी शिक्षा तक सब कुछ शामिल है। इस प्लेटफॉर्म को लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा बोर्ड ने अपनाया है और इसे क्षेत्रीय भाषाओं, पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीकों की जरूरतों के हिसाब से बदला जा सकता है। सरकार ने कहा कि दीक्षा टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के जरिए आसानी से उपलब्ध, दिलचस्प और हर किसी की जरूरत के हिसाब से सीखने के अनुभव को बढ़ावा देता है।

भारत-यूके सीईटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और इनोवेशन में साझेदारी होगी मजबूत : गोयल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-यूके कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट (सीईटीए) के 15 जुलाई से लागू होने के चलते यहां भारतीय समुदाय के साथ बैठक की और उन्हें इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के फायदों के बारे में अवगत कराया और कहा कि इससे दोनों देश के बीच व्यापार, निवेश और इनोवेशन में साझेदारी मजबूत होगी।

गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बैठक में भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच एक जीवंत पुल के तौर पर प्रवासी समुदाय की अहम भूमिका के बारे में बात की, जो आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करते हैं। गोयल ने आईसीएआई यूके चैप्टर के सदस्यों से भी बातचीत की और भारत-यूके के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में सीए समुदाय की अहम भूमिका पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत-यूके सीईटीए पेशेवरों के लिए नए रास्ते खोलेगा। इस कारण सभी पेशेवर इस समझौते से मिलने वाले मौकों का अधिक से अधिक फायदा उठाने के लिए अपने कौशल, ज्ञान और पेशेवर विशेषज्ञता का इस्तेमाल करें और दोनों देशों की साझा तरक्की में योगदान दें। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप (डब्ल्यूएमजी) में 'सेफ ऑटोनॉमी' के प्रमुख, प्रोफेसर सिद्धार्थ खस्तगीर के साथ इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच सहयोग को और मजबूत करने और रिसर्च पर आधारित इनोवेशन को आगे बढ़ाने पर भी अहम चर्चा की। गोयल ने कहा, 'एक मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम क्रांतिकारी विचारों को बढ़ावा देने, ग्लोबल स्तर पर कॉम्पिटिटिव इंडस्ट्रीज बनाने और भारत व दुनिया के लिए भविष्य की टेक्नोलॉजी को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है।'

जीईडीयू ग्लोबल एजुकेशन के ग्रुप सीईओ डॉ. विश्वजीत राणा के साथ एक बैठक में, गोयल ने उच्च शिक्षा, स्किल्स और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत-यूके सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इससे पहले, गोयल ने भारतीय कंपनियों से कहा कि वे यूके की कंपनियों के साथ अपने संबंध मजबूत करें और भारत-यूके सीईटीए के तहत मिलने वाले मौकों को लगातार बिजनेस ग्रोथ में बदलें।

लंदन में 'भारत-यूकेः पार्टनर्स इन प्रोग्रेस बिजनेस प्लेनरी' को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि यह अहम ट्रेड एग्रीमेंट दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप, इनोवेशन और मजबूत सप्लाई चेन को बढ़ावा देने के बड़े मौके देता है।

आरआरटीएस कॉरिडोर के किनारे बस सकती है ग्रीन फील्ड सिटी, एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में मंथन

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 28 जून।

गाजियाबाद से मेरठ तक जा रहे आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर के किनारे ग्रीन फील्ड सिटी बसाई जा सकती है। इसको लेकर पिछले सप्ताह दिल्ली में एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक हुई थी, जिसमें क्षेत्रीय योजना-2041 के मसौदे पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा व एनसीआर प्लानिंग सेल के अधिकारी मौजूद रहे। बोर्ड बैठक में शामिल जीडीए सचिव विवेक मिश्र ने बताया कि प्रमुख रूप से तीनों राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में आरआरटीएस कॉरिडोर के किनारे ग्रीन फील्ड सिटी विकसित करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श हुआ। राज्यों से संभावित भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव भेजने के लिए कहा गया है। अगले दो महीने में होने वाली बैठक में ड्राफ्ट के अंतिम रूप लेने की संभावना है।एनसीआर में तेजी से बढ़ती आबादी और अनियोजित शहरीकरण के दबाव को कम करने के लिए ग्रीन फील्ड सिटी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के सहायक समन्वयक नियोजक शिवम कसाना के अनुसार, गाजियाबाद और मेरठ दोनों जिलों में आरआरटीएस कॉरिडोर मौजूद है। ऐसे में ग्रीन फील्ड सिटी इनमें से किसी एक जिले में विकसित की जा सकती है। ग्रीन फील्ड सिटी का उद्देश्य पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ शहरी विकास सुनिश्चित करना है।

यहां सड़क, सीवर, पेयजल, बिजली, पार्क, स्कूल, अस्पताल और औद्योगिक क्षेत्र जैसी सुविधाएं पहले से तय योजना के अनुरूप विकसित की जाएंगी। इनमें सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने के साथ अधिक हरित क्षेत्र, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा और स्मार्ट सिटी जैसी सुविधाओं को शामिल किया जाएगा। आठ जिले गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, मुजफ्फरनगर एनसीआर क्षेत्र में शामिल हैं। वर्तमान में इनकी आबादी करीब ढाई से तीन करोड़ के बीच है। एनसीआर सेल के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2041 तक एनसीआर क्षेत्र की आबादी लगभग 14 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के मुख्य समन्वयक नियोजक कृष्ण मोहन ने बताया कि प्रस्ताव के तहत प्रत्येक ग्रीन फील्ड सिटी के विकास के लिए केंद्र की ओर से पांच हजार करोड़ रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई है।

श्री शीतला माता मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान लाभार्थियों के लिए 15% बेड होंगे आरक्षित

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 28 जून।

सेक्टर 102ए स्थित श्री शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए सभी विभागों में 15 प्रतिशत बेड आरक्षित होंगे। वहीं, मेडिकल कॉलेज की 33 प्रतिशत सीटें हरियाणा के मूल निवासी छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों के बराबर फीस पर उपलब्ध कराई जाएंगी। यह प्रावधान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर संचालित करने के लिए जारी दस्तावेज में शामिल किए गए हैं।

गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने 150 सीटों वाले मेडिकल कॉलेज और 883 बेड के टीचिंग हॉस्पिटल के संचालन एवं रखरखाव के लिए प्रस्ताव (आरएफपी) आमंत्रित किए हैं। चयनित एजेंसी को 33 वर्षों के लिए इसके संचालन और रखरखाव के लिए सौंपा जाएगा। शर्तों के अनुसार अस्पताल के प्रत्येक विभाग में कम से कम 15 प्रतिशत बेड आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए आरक्षित रखने अनिवार्य होंगे। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस व्यवस्था के क्रियान्वयन की निगरानी गुरुग्राम के सिविल सर्जन करेंगे। यदि किसी स्तर पर नियमों का पालन नहीं होता है तो सिविल सर्जन संबंधित एजेंसी को सुधार के निर्देश देंगे। इसका पालन नहीं होने पर मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च निदेशालय (डीएमईआर) को दंडात्मक कार्रवाई की सिफारिश करेंगे। दूसरा मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के नियमों के अनुरूप मरीजों की संख्या बनाए रखना भी एजेंसी की जिम्मेदारी होगी। चयनित एजेंसी भविष्य में उपलब्ध अतिरिक्त ग्राउंड कवरेज और फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) का उपयोग कर सकेगी। एजेंसी को मल्टी सुपर-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, नर्सिंग कॉलेज, पैरामेडिकल संस्थान, इनोवेशन एवं रिसर्च सेंटर जैसी अतिरिक्त सुविधाएं विकसित करने की भी अनुमति होगी।

संक्षिप्त खबरें

पोस्टमार्टम में देरी पर बीके अस्पताल में हंगामा

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 जून। छह माह की गर्भवती नेहा की हत्या के मामले में शनिवार को पोस्टमार्टम में देरी होने पर परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने बीके अस्पताल में जमकर हंगामा किया और स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामे के बाद शनिवार शाम करीब चार बजे नेहा के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों का आरोप है कि पिछले दो दिनों से उन्हें अस्पताल के चक्कर कटवाए जा रहे थे। कभी फोरेंसिक टीम उपलब्ध नहीं होने तो कभी गायनी विशेषज्ञ डॉक्टर के मौजूद नहीं होने का हवाला देकर पोस्टमार्टम टाला जा रहा था। मृतका के पिता विजय प्रसाद ने कहा कि उनकी बेटी की हत्या को दो दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक पोस्टमार्टम नहीं होने से परिवार को शव के लिए भटकना पड़ रहा था। परिजनों ने बताया कि वे पहले सीएमओ कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां सीएमओ नहीं मिले। इसके बाद उन्हें पीएमओ कार्यालय भेजा गया, जहां कार्यालय बंद मिला। परिजनों का आरोप है कि उनके अस्पताल पहुंचने की सूचना मिलते ही अधिकारी कार्यालय बंद कर चले गए।

साइबर ठगी के दो मामलों में चार आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 जून। पुलिस ने दो मामलों में चार साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि टीम ने हरदोई (उत्तर प्रदेश) निवासी कमल किशोर, जतिन बाबू , राहुल गुप्ता और दूसरे मामले में नदीम को गिरफ्तार किया है। कमल और जतिन को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं राहुल को तीन और नदीम को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस के अनुसार, तिरखा कॉलोनी निवासी एक आरसीसी टाइल्स निमार्ता से 17 जनवरी 2026 को एक व्यक्ति ने सीआईएसएफ अधिकारी बनकर संपर्क किया। आरोपी ने दिल्ली स्थित सीआईएसएफ यूनिट के लिए आरसीसी टाइल्स खरीदने की बात कही। इसके बाद वेंडर रजिस्ट्रेशन के नाम पर 59 हजार रुपये मांगे जिसमें से 30 हजार रुपये पीड़ित ने जमा कर दिए। जांच में सामने आया कि कमल किशोर खाताधारक था। उसका बैंक खाता जतिन बाबू के माध्यम से राहुल गुप्ता ने साइबर ठगों तक पहुंचाया था।

बहन को छोड़ने की धमकी देने पर नाबालिग ने की जीजा की चाकू मारकर हत्या

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 जून।

पल्ला थाना क्षेत्र के दुर्गा बिल्डर इलाके में शुक्रवार रात घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बहन को छोड़ने की धमकी देने पर एक नाबालिग ने अपने जीजा की चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी नाबालिग को अभिरक्षा में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान मूलरूप से बिहार के पश्चिमी चंपारण निवासी जब्बार (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, जब्बार ने आरोपी की बहन से प्रेम विवाह किया था। दंपती की करीब एक माह की बेटी भी है। पहले दोनों दिल्ली के जैतपुर क्षेत्र में रहते थे, लेकिन करीब एक सप्ताह पहले ही फरीदाबाद की पंचशील कॉलोनी में किराये के मकान में रहने आए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जब्बार अपनी पत्नी को छोड़ने की बात कह रहा था।

युवक पर कार चढ़ाने और हवाई फायरिंग के मामले में दो धरे

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 जून। एवीटीएस ने तिगांव थाना क्षेत्र में युवक पर कार चढ़ाने के प्रयास और हवाई फायरिंग के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा एवीटीएस भूपानी ने आरोपी भविष्य उर्फ भोला और लक्ष्य उर्फ लक्की को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो भी बरामद कर ली है। पुलिस ने भविष्य उर्फ भोला को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। वहीं लक्ष्य उर्फ लक्की को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, गांव भुआपुर निवासी रविंद्र की शिकायत पर थाना तिगांव में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 7 जून की शाम करीब आठ बजे स्कॉर्पियो में सवार कुछ युवक उनके घर के बाहर तेज रफ्तार से चक्कर लगा रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और उनके भतीजे पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

थाने के मालखाने से हथियार चोरी में आईटीआई के छात्र समेत 20 गिरफ्तार

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 जून।

सेक्टर-8 थाने के मालखाने से हथियार चोरी के मामले में पुलिस ने आईटीआई के एक छात्र समेत 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए हथियार बेच दिए गए थे। पुलिस का दावा है कि चोरी किए गए सभी हथियार बरामद कर लिए गए है। पुलिस ने जांच में लापरवाही सामने आने पर मालखाना प्रभारी ईएसआई बिजेंद्र सिंह को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, 9 मई को सेक्टर-8 थाना प्रभारी निरीक्षक राजबीर सिंह ने मालखाने का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान मालखाने से कई हथियार गायब मिले। इसके बाद 9 मई को ही सेक्टर-8 थाना में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया और पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध शाखा की टीमों का गठन कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अगले 10 दिन के अंदर ही 18 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

आईटीआई के छात्र ने छह महीने तक चोरी को दिया अंजाम

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-30 ने पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया। जांच में सामने आया कि गांव करनेरा निवासी मोनू मुख्य आरोपी पाया गया। वह आईटीआई से पढ़ाई कर रहा है। साथ में अप्रेंटिस के रूप में पुलिस विभाग में नियुक्त था और कंप्यूटर संबंधी कार्य के लिए सेक्टर-8 थाना भेजा गया था। इसी दौरान उसने अक्टूबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच मालखाने से हथियार चोरी कर लिए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हथियार एक साथ नहीं, बल्कि छह महीने के दौरान एक-एक, दो-दो करके गायब किए गए। सीसीटीवी कैमरों से लैस थाने से रोज हथियार चोरी होती रही लेकिन किसी को पता तक नहीं चला।

दिल्ली-एनसीआर में फैला था नेटवर्क

पुलिस के अनुसार, मोनू चोरी किए गए हथियार अपने मामा के बेटे विपिन कुमार निवासी तिजारा (राजस्थान) को देता था। विपिन ने ये हथियार तिजारा निवासी संजय सुनारिया तक पहुंचाए। इसके बाद हथियारों का नेटवर्क तैयार कर उन्हें धारूहेड़ा, भिवाड़ी, रेवाड़ी, गौतमबुद्धनगर, पलवल, नूंह और आसपास के क्षेत्रों में अलग-अलग बदमाशों तक पहुंचाया गया।

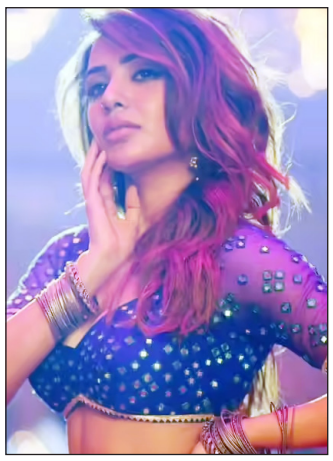

सामंथा ने की अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा

छो अभिनेत्री सामंथा प्रभु, जो इन दिनों अपनी फिल्म मां इंटी बंगारम की सफलता का आनंद ले रही हैं, ने अपने प्रशंसकों के साथ एक बड़ी खुशखबरी साझा की है। 39 वर्ष की उम्र में मां बनने जा रही सामंथा ने अपने पति राज निदिमोरू के साथ एक थैंक्स मीट में इस बात का खुलासा किया। पिछले कुछ समय से सामंथा की ऐसी वीडियोज वायरल हो रही थीं, जिनमें उनका बेबी बंप नजर आ रहा था, जिसके बाद उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अब उन्होंने खुद इस बात की पुष्टि कर दी है। खुशी का इजहार करते हुए सामंथा ने मंच पर हंसते हुए कहा, अब मैं मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं। इस घोषणा के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं और सोशल मीडिया पर भी फैंस का बधाई संदेशों से भर गया। वीडियो में उनका प्रेग्नेंसी ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को निमार्ता राज निदिमोरू के साथ कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादे समारोह में शादी की थी। नागा चैतन्य से अलग होने के बाद यह उनकी दूसरी शादी थी।

तमन्ना ने बताई साउथ और बॉलीवुड की भिन्नता

स अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने अनुभवों के आधार पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाज के तरीकों के बीच के बड़े अंतर को स्पष्ट किया है। उन्होंने दोनों सिनेमाई दुनिया के विविध पहलुओं को उजागर किया, खासकर कलाकारों के लिए उपलब्ध अवसरों के संदर्भ में। तमन्ना के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है, जो बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा को दशार्ता है। पहला वर्ग कलात्मक अभिनय को चुनने वाले अभिनेताओं का है। ये वो कलाकार होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। दूसरा वर्ग वर्सटाइल कलाकार का है, और तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है।

'गोविंदा के कई अफेयर थे', सुनीता आहूजा ने किए अपनी शादी को लेकर खुलासे

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' में नजर आ रही हैं, जहां उन्होंने अपनी शादी और रिश्तों को लेकर कई खुलासे किए। उन्होंने अपनी शादीशुदा जिंदगी के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके पति गोविंदा के कई अफेयर थे।

शो के प्रीमियर एपिसोड में होस्ट फराह खान ने सुनीता आहूजा से जुड़ी कुछ पुरानी मीडिया हेडलाइंस पढ़कर सुनाईं। इनमें एक हेडलाइन ने खास ध्यान खींचा, जिसमें सुनीता का एक बयान लिखा था- 'मुझे गोविंदा जैसा बेटा चाहिए, पति नहीं।' इस पर सुनीता ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा, ''प्यार में तो आपको हर चीज बर्दाश्त करनी चाहिए। गोविंदा ने लाइफ में इतने अफेयर्स किए, इंडस्ट्री में इस तरह की बातें आम होती हैं। पर मुझे लगता है इतने साल जो मैंने ची ची (गोविंदा) के साथ निभाया है, मुझे लगता है उसके जैसा बेटा होना चाहिए।''

इसके बाद शो में एक और हेडलाइन पढ़ी गई, जिसे को-होस्ट रितेश देशमुख ने सुनाया। इसमें कहा गया, ह्लजब तक पति-पत्नी साथ हों तब तक आंखियों से गोली मारे। पर जब कोई थर्ड पार्टी आ जाए तो घुटनों पर गोली मारे ह्ल

सुनीता आहूजा ने इस पर भी जवाब दिया और कहा, ह्लसुन रहे हो चीची (गोविंदा) तो सुन लेना। घुटनों पर गोली तभी लगती है जब कोई लाइफ में आ जाती है। वो भी मैंने झूठ नहीं बोला। मेरे बारे में कई अफवाहें फैलाई गईं, जिसमें यहां तक कहा गया कि मैंने गोली चलाई थी। उस समय मैं मुंबई में नहीं थी, बल्कि खाटू श्याम मंदिर में थी ह्ल गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी साल 1987 में हुई थी। उन्होंने अपनी शादी को करीब दो साल तक प्राइवेट रखा। बाद में अपनी बेटी टीना आहूजा के जन्म के बाद उन्होंने अपनी शादी को पब्लिक किया। इस कपल का एक बेटा भी है, जिनका नाम यशवर्धन आहूजा है।

शाहिद कपूर की इस फिल्म ने बदली शहनाज ट्रेजरीवाला की किस्मत, जानें मॉडलिंग से बॉलीवुड और फिर ट्रैवल स्टार बनने तक का सफर

बॉलीवुड इंडस्ट्री में सिर्फ एक फिल्म ही कलाकारों की जिंदगी पूरी तरह बदल देती है। ऐसी ही एक फिल्म रही साल 2003 की 'इश्क विश्क', जिसने अभिनेत्री शहनाज ट्रेजरीवाला को पहली बार बड़े पर्दे पर असली पहचान दिलाई। इस फिल्म में उनके किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा और यहीं से उनके करियर को नई दिशा मिली।

शहनाज का जन्म 29 जून 1981 को मुंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता मर्चेंट नेवी में इंजीनियर थे। उन्होंने मुंबई से पढ़ाई की और कॉलेज के दिनों में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग की शुरूआत के बाद शहनाज ने कई विज्ञापनों में काम किया। इसके बाद उन्हें 'एमटीवी मोस्ट वॉन्टेड' में वीडियो जॉकी बनने का मौका मिला। यह शो उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें युवाओं के बीच लोकप्रिय बना दिया।

टीवी पर सफलता के बाद शहनाज ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने साल 2001 में तेलुगु फिल्म 'एडुरुलेनी मनीषी' से अभिनय की शुरूआत की। हालांकि उन्हें असली पहचान 2003 में बॉलीवुड फिल्म 'इश्क विश्क' से मिली। इस फिल्म में वह शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ नजर आईं।

उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया और वह सुर्खियों में छाने लगी। यह फिल्म उस दौर की हिट फिल्मों में शामिल रही और शहनाज के लिए यह एक बड़ा ब्रेक साबित हुई।

'इश्क विश्क' के बाद उनके करियर को नई रफ्तार मिली और उन्होंने 'हम तुम', 'लव का द एंड' और 'दिल्ली बेली' जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि उनका फिल्मी सफर ज्यादा लंबा नहीं रहा, लेकिन उन्होंने अपने छोटे करियर में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने हर किरदार में कुछ नया करने की कोशिश की और खुद को एक अलग अंदाज में पेश किया।

फिल्मों के साथ-साथ शहनाज ने लेखन और ट्रैवलिंग की दुनिया में भी कदम रखा। उन्हें घूमने का बहुत शौक था और उन्होंने इसे अपने काम का हिस्सा बना लिया। उन्होंने कॉस्मोपॉलिटन, एले और फेमिना जैसी मैगजीन के लिए ट्रैवल आर्टिकल लिखे। इसी दौरान उन्होंने ट्रैवल चैनल पर 'कल्चर शॉक' शो भी होस्ट किया।

बाद में शहनाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काम किया। उन्होंने अमेरिकी टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में भी अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा वह कई अमेरिकी प्रोजेक्ट्स और पैनल शोज में भी नजर आईं। धीरे-धीरे वह एक ट्रैवल पर्सनैलिटी और डिजिटल क्रिएटर बन गईं।

डिजिटल दौर में शहनाज सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहीं और इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रैवल जर्नी साझा करने लगीं। आज उनके लाखों फॉलोअर्स हैं, जो उनके सफर और लाइफस्टाइल से जुड़े हैं। उन्होंने 'वी रन द वर्ल्ड' जैसी ट्रैवल पहल भी शुरू की।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कपः बांग्लादेश की 4 विकेट से हार, भारत को पछाड़कर दूसरे पायदान पर पहुंचा साउथ अफ्रीका

» लंदन, यूटर्न/ 28 जून ।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ रविवार को विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का लीग मैच 4 विकेट से गंवाने के साथ बांग्लादेशी टीम खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है। हालांकि, आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी भी काफी धीमी नजर आई, लेकिन टीम ने जीत हासिल करते हुए 'ग्रुप-ए' की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा पायदान हासिल कर लिया है। इस ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और भारत सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। अगर भारतीय टीम शाम के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त देती है, तो साउथ अफ्रीका इस ग्रुप में सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने वाला चौथा और अंतिम देश होगा।

रविवार को लॉर्ड्स में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी बांग्लादेशी टीम ने 5 विकेट खोकर 117 रन बनाए। इस टीम ने 14 के स्कोर तक 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से सोभना मोस्तरी ने शर्मिन अख्तर के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 गेंदों में 56 रन की साझेदारी की।

शर्मिन 29 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जबकि सोभना ने 48 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 42 रन बनाए। इसके बाद कप्तान निगार सुल्ताना ने 20 गेंदों में 1 छक्के और 4 चौकों के साथ 32 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जैसे-तैसे सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

साउथ अफ्रीका की तरफ से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 22 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि मारिजैन कप्प, शबनीम इस्माइल और नादिन डी क्लार्क ने 1-1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.2 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को पारी की पहली ही गेंद पर कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (0)

के रूप में बड़ा झटका लग गया था। यहां से ताजमिन ब्रित्स ने एनेरी डर्कसेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। ताजमिन 24 गेंदों में 2 चौकों के साथ 20 रन की पारी खेलकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद एनेरी ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने 45 गेंदों में 2 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 45 रन बनाए। इस दौरान मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 28 रन जुटाए। आसान लक्ष्य के सामने साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी धीमी नजर आई। हालांकि, टीम ने 4 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्प ने 16 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि नादिन डी क्लार्क ने 15 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से नाहिदा अख्तर ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। मारुफा अख्तर, संजीदा अख्तर और रितू मोनी ने 1-1 विकेट निकाला।

राष्ट्रीय जूनियर पावरलिफ्टिंग में इंदौर के चित्रांश बाजपेयी ने जीता स्वर्ण

इंदौर, यूटर्न/ 28 जून । इंदौर के युवा पावरलिफ्टर चित्रांश बाजपेयी ने राष्ट्रीय जूनियर इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर मध्यप्रदेश के नाम ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करा दी। +120 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण के साथ ही वे इस वर्ग में जूनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का पदक जीतने वाले मध्यप्रदेश के पहले खिलाड़ी बन गए। हैदराबाद में 23 से 28 जून तक आयोजित 48वीं पुरुष एवं महिला जूनियर तथा 27वीं बालक एवं बालिका सब-जूनियर राष्ट्रीय इक्विप्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर), डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र चित्रांश बाजपेयी ने +120 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

2026 में टी20 रन बनाने में ईशान किशन सबसे आगे

टॉप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज शामिल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । साल 2026 टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन 1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है।

फीफा वर्ल्ड कपः स्वीट क्लार्क ने दिया स्कॉटलैंड के हेड कोच पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून । स्कॉटलैंड फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाने में नाकाम रहा। क्रोएशिया की घाना पर जीत के साथ ही स्कॉटलैंड का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। टीम के विश्व कप से बाहर होने के बाद हेड कोच स्वीट क्लार्क ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में मोरक्को और ब्राजील से हार का सामना करना पड़ा, जबकि टीम ने हैती के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की थी। तीन मैचों में सिर्फ तीन अंक मिलने के बावजूद, खराब गोल अंतर के कारण स्कॉटलैंड राउंड ऑफ 32 में जगह नहीं बना सका। क्लार्क के कार्यकाल को स्कॉटलैंड फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण दौर माना जाता है। उन्होंने 62 साल की उम्र में स्कॉटलैंड को 28 साल बाद पुरुष वर्ल्ड कप में पहुंचाया। इससे पहले टीम ने लगातार दो यूईएफए यूरो क्वालिफिकेशन भी हासिल किए थे। उनके नेतृत्व में स्कॉटलैंड ने हैती के खिलाफ 1-0 की जीत से वर्ल्ड कप अभियान की शुरूआत की थी। हालांकि, बाकी मैचों में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

कराची में सुरक्षाबलों पर आतंकी हमला: 6 आतंकी समेत 4 रेंजर्स की मौत

कराची, यूटर्न/ 28 जून । पाकिस्तान के कराची शहर में शनिवार देर रात सुरक्षाबलों के एक कैंप पर भीषण आतंकी हमला हुआ, जिसमें चार पाकिस्तानी रेंजर्स शहीद हो गए और छह आतंकवादी मारे गए। यह हमला कराची के मोसमियात चौरंगी इलाके में सिंध रेंजर्स के कैंप को निशाना बनाकर किया गया था, जो कई कॉलेजों और पाकिस्तानी मौसम विभाग के केंद्र के पास स्थित है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को जिंदा पकड़ने में भी सफलता प्राप्त की है। इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े एक खूंखार संगठन जमात-उल-अहरार ने ली है, जिसने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा को एक बार फिर हिला दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमला रात करीब 8:30 बजे शुरू हुआ जब सबसे पहले एक धमाका हुआ और उसके तुरंत बाद गोलियां चलने की आवाजें आने लगीं। पाकिस्तानी रेंजर्स और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल को घेर लिया और आतंकवादियों के साथ गहन मुठभेड़ शुरू हो गई।

माइक्रोसॉफ्ट ने बढ़ाई सिक्योरिटी अपडेट की आखिरी तारीख

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 जून । माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 10 इस्तेमाल करने वाले करोड़ों यूजर्स को एक बड़ी राहत दी है। कंपनी ने चुपचाप अपने विंडोज 10 कंज्यूमर एक्सटेंडेड सिक्योरिटी अपडेट्स (ईएसयू) प्रोग्राम की अंतिम तारीख बढ़ा दी है, जिससे लाखों यूजर्स को बड़ी सहूलियत मिलेगी। पहले यह प्रोग्राम अक्टूबर 2026 तक ही उपलब्ध रहने वाला था, लेकिन अब माइक्रोसॉफ्ट ने इसे एक साल और बढ़ाकर 12 अक्टूबर 2027 तक जारी रखने का महत्वपूर्ण फैसला किया है। इस कदम से उन सभी यूजर्स को काफी अतिरिक्त समय मिल जाएगा जिनके पुराने कंप्यूटर अभी विंडोज 11 की हार्डवेयर जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं, और उन्हें जल्दबाजी में नया पीसी खरीदने या अपग्रेड करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह उन व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो अपने मौजूदा सिस्टम के साथ लंबे समय तक बने रहना चाहते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी आधिकारिक सपोर्ट वेबसाइट पर इस जानकारी को साझा करते हुए स्पष्ट किया है कि जो यूजर्स ईएसयू प्रोग्राम में पहले से शामिल हैं, उन्हें 12 अक्टूबर 2027 तक लगातार सिक्योरिटी अपडेट्स मिलते रहेंगे।

भूकंप पीड़ित वेनेजुएला को भेजी राहत सामग्री और मेडिकल टीम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 जून ।**

भारत ने भूकंप की त्रासदी झेल रहे वेनेजुएला की सहायता के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत तत्काल मानवीय राहत भेजी है। यह कदम दक्षिण अमेरिकी देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत की मदद वेनेजुएला पहुंच गई है। हमें विश्वास है कि फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, राहत सामग्री, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण वहां चल रहे राहत कार्यों को मजबूत करेंगे।'

कोट डी आइवर स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान आबिदजान के रास्ते वेनेजुएला पहुंचे। इन विमानों में 35 टन राहत सामग्री, भारतीय सेना का फील्ड हॉस्पिटल दल और दो भीष्म क्यूब भेजे गए हैं। दूतावास के अनुसार, 41 सदस्यीय इस दल में नौ चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं। यह टीम आपातकालीन चिकित्सा सेवा, ट्रॉमा प्रबंधन, जीवनरक्षक सर्जरी और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। दल अपने साथ विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई लगभग छह टन दवाइयां और मानवीय राहत सामग्री भी लेकर गया है। इसके अलावा, एक विमान में आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित एवं मैत्री (भीष्म) क्यूब भी भेजा गया है।

भारतीय दूतावास ने कहा कि ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत मेडिकल दल की तैनाती मानवीय सहायता और आपदा राहत के प्रति भारत की स्थायी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही यह मित्र देशों की संकट की घड़ी में समय पर सहायता करने की भारत की तत्परता का भी प्रतीक है। गौरतलब है कि बुधवार को वेनेजुएला में कुछ ही सेकंड के अंतराल पर दो शक्तिशाली भूकंप आए थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार पहला भूकंप 7.1 तीव्रता का था, जबकि एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस किया गया। दोनों भूकंप राजधानी करकास से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम स्थित तटीय शहर मोरोन के पास आए। भूकंप की गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी, जिससे नुकसान अधिक होने की आशंका बढ़ गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को आए इन भूकंपों में अब तक 1,430 लोगों की मौत हो गई है जबकि घायलों की संख्या 3,238 है और 3,142 परिवार प्राकृतिक आपदा से त्रस्त हैं। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने बताया कि 7.2 और 7.5 तीव्रता के इन भूकंपों के बाद अब तक 430 हल्के से मध्यम तीव्रता के आफ्टरशॉक दर्ज किए जा चुके हैं।

'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान जलवायु परिवर्तन का सामना कर रहे देशों को समर्पित : मोदी

» **विक्टोरिया, यूटर्न/ 28 जून ।**

सेशेल्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में उनके नेतृत्व के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सेशेल्स की जनता और सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह सम्मान उन सभी देशों को समर्पित किया जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण को अपना दायित्व मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मुझे 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान से सम्मानित करने के लिए सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी का हृदय से आभार।'

उन्होंने कहा, 'मैं विनम्रतापूर्वक यह सम्मान स्वीकार करता हूं और इसे उन सभी देशों को समर्पित करता हूं जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से लड़ रहे हैं तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा को अपना दायित्व मानते हैं। यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे हमें मिलकर निपटना होगा।'

जलवायु परिवर्तन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत हमारी धरती को अधिक हरित और सतत बनाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है। इसकी झलक हमारी घरेलू नीतियों, मिशन लाइफ पर विशेष जोर तथा इंटरनेशनल सोलर अलायंस और कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी वैश्विक पहलों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।'

यह सम्मान सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री मोदी के लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों तथा उनके हरित विकास के दृष्टिकोण की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना है।

दोनों देशों के बीच विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के आदान-प्रदान के बाद संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'डॉ. पैट्रिक हर्मिनी, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों और मीडिया के साथियों का धन्यवाद। आपके आत्मीय स्वागत और आतिथ्य के लिए मैं राष्ट्रपति हर्मिनी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान से सम्मानित किया जाना मेरे लिए और 140 करोड़ भारतवासियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। मैं इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए उन सभी देशों को समर्पित करता हूं, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण को भावी पीढ़ियों के प्रति अपना दायित्व मानते हैं।' यह सम्मान जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और हरित विकास के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की श्रृंखला में नवीनतम उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी को 30 से अधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनमें विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रदान किए गए सर्वोच्च नागरिक सम्मान, शैक्षणिक सम्मान तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सम्मान शामिल हैं।

लंदन में कार ने पैदल चलने वालों को मारी टक्कर, पांच घायल और एक गिरफ्तार

» **लंदन, यूटर्न/ 28 जून ।**

ब्रिटेन की राजधानी लंदन से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, लंदन में एक कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। लंदन की पुलिस ने हत्या की कोशिश के शक में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार को स्थानीय समय (1330 जीएमटी) के हिसाब से दोपहर 2:30 बजे से कुछ पहले ईलिंग ब्रॉडवे में हुई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक, दो लोगों का मौके पर ही इलाज किया गया, जबकि तीन और लोगों को हॉस्पिटल ले जाया गया। किसी को भी अति गंभीर चोटें नहीं आई।

गाड़ी मौके पर नहीं रुकी, लेकिन थोड़ी देर बाद पास के ग्रेंज पार्क में उसे रोक लिया गया। घटना के दौरान गाड़ी चला रहे सोमालिया में जन्मे 34 साल के ब्रिटिश आदमी को खतरनाक ड्राइविंग और हत्या की कोशिश के शक में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कहा कि घटना की वजह से शुरूआती पूछताछ के दौरान काउंटर-टेररिज्म अधिकारियों से सलाह ली गई थी। जांच करने वाले इस घटना के मकसद के बारे में गहराई से सोच रहे हैं, लेकिन इस मामले को आतंकवाद के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा रहा है। लंदन एम्बुलेंस सर्विस ने कहा कि उसने कई एम्बुलेंस क्रू, पैरामेडिक्स और दूसरे इमरजेंसी कर्मचारियों को मौके पर भेजा, जबकि लंदन की एयर एम्बुलेंस को भी तैनात किया गया। पुलिस घटना की जांच जारी रखे हुए है, इसलिए सड़कें बंद हैं।

होर्मुज में हमले के बाद ट्रंप ने दी ईरान को तबाह करने की धमकी

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 जून ।**

अमेरिका और ईरान के बीच एक सप्ताह पहले हुए समझौते के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ने लगा है, जिससे क्षेत्र में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। होर्मुज में एक जहाज पर हमले के बाद अमेरिका ने शनिवार को दूसरी बार ईरान पर बड़ा हमला किया और उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इस स्थिति से दोनों देशों के बीच हुआ अस्थायी समझौता खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

यूएस सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर कहा कि ये हमले कमांडर इन चीफ (अमेरिकी राष्ट्रपति) के निदेशों पर किए गए हैं। सेंट्रल कमांड ने आरोप लगाया कि ईरान ने सीजफायर के नियमों का पालन नहीं किया है और इसीलिए उसे जवाब दिया गया है। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि ईरान के हमले के जवाब में यह जवाबी कार्रवाई की गई है। अमेरिका ने ईरान को सीजफायर समझौते को मानने का मौका दिया था, लेकिन उसने पनामा के झंडे वाले एक जहाज पर ड्रोन हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह पलटवार करना पड़ा। ईरानी मीडिया के हवाले से बताया गया कि सिरिक आइलैंड के पास जोरदार धमाके की आवाजें सुनाई दीं, जो होर्मुज के पास ही स्थित है।

इसके अलावा, कई मिसाइलों से केश्म आइलैंड के गांवों को भी निशाना बनाया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान की आशंका है। बता दें कि दो दिन के अंदर ही अमेरिका ने ईरान पर दो बार हमले किए हैं। दरअसल, ईरान ने दूसरी बार एक शिप को निशाना बनाया, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने तुरंत कहा कि इसका जवाब दिया जाएगा, और फिर ईरान के सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें गिरने लगीं। दावा किया कि ईरान के ड्रोन और मिसाइल के स्टोरेज के साथ ही रडार साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिका ने दोहराया कि ईरान के साथ जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, हम उसे मान रहे हैं।

लेकिन अगर वे अपनी तरफ से ही समझौते का उल्लंघन करते हैं, तो उसका जवाब उसी की भाषा में दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका को जवाब देते हुए कहा है कि अगर अमेरिका हमला करता है तो वह चुप नहीं बैठेगा और माकूल जवाब देगा, जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव की आशंका और बढ़ गई है।

जियो न्यूज के खिलाफ कार्रवाई, 15 दिन के लिए प्रसारण लाइसेंस निलंबित

मोहर्रम में धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 28 जून । पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने मुहर्रम-उल-हराम के अवसर पर प्रसारित एक विशेष कार्यक्रम में कथित तौर पर आपत्तिजनक धार्मिक दृश्य दिखाए जाने के मामले में जियो न्यूज के प्रसारण लाइसेंस को 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। नियामक संस्था ने इस कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। पीईएमआरए के अनुसार, 26 जून को मुहर्रम की 10 तारीख के अवसर पर जियो न्यूज पर प्रसारित विशेष कार्यक्रम 'सफर-ए-इश्क' में धार्मिक व्यक्तित्वों और घटनाओं से जुड़े कुछ विजुअल चित्रण और स्केच प्रसारित किए गए, जिन्हें धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला माना गया। प्राधिकरण ने इसे प्रसारण नियमों और आचार संहिता का उल्लंघन बताया है। पीईएमआरए के ऑपरेशंस डायरेक्टर उमैर आजिम के अनुसार, कार्यक्रम में प्रसारित सामग्री अत्यंत संवेदनशील थी और इससे धार्मिक समुदायों की भावनाएं प्रभावित हुईं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *